प्राथमिक अंग्रेज़ी

पढ़ने के माहौल को बढ़ावा देना

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

Support in India
www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)* / मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

इस इकाई में आनंद के लिए पठन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यदि छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी पठन को केवल भाषा अभ्यास और परीक्षाओं से जोड़ते हैं, तो इस बात की संभावना कम है कि वे न्यूनतम आवश्यकता से ज्यादा अंग्रेज़ी सीख सकेंगे। लेकिन यदि वे अंग्रेज़ी पठन को आनंद के साथ जोड़ना सीख लेते हैं, तो इस बात की ज्यादा संभावना है कि वे स्वैच्छिक रूप से आजीवन पाठक बन जाएंगे।

आपके छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी और हिन्दी में पढ़ना सीखेंगे। यहां जिन विचारों और विधियों पर चर्चा की गई है, वे किसी भी भाषा में पठन के लिए प्रासंगिक हैं। इसलिए जब आप इस इकाई को पढ़ते हैं, तो यह सोचें कि आप किस तरह हिन्दी और स्थानीय भाषाओं के साथ-साथ अंग्रेज़ी में भी आनंददायक पठन के लिए गतिविधियों को आज़मा सकते हैं। इस बारे में भी सोचें कि यहां जिन रणनीतियों के बारे में चर्चा की गई है, वे आपकी कक्षा में अलग अलग क्षमताओं वाले छात्र–छात्राओं के लिए किस तरह प्रभावी होंगी।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अंग्रेज़ी में मनोरंजन के लिए पढ़ने को बढ़ावा देना।
- कक्षा के पुस्तकालय का विकास करना।
- छात्र–छात्राओं के लिए पठन कला का रोल-मॉडल बनना।

1 एक पढ़ने का माहौल प्रदान करना

उन कार्यों के बारे में सोचें जिन्हें आप आनंददायी पठन को बढ़ावा देने के लिए पहले से ही करते आ रहे हैं।

गतिविधि 1: आपके छात्र–छात्राओं को पढ़ने के लिए प्रेरित करना

आपके छात्र–छात्राओं के पठन कौशल का स्तर चाहे जो भी हो, लेकिन उन्हें आनंददायक पठन का अनुभव करने के अवसर रोज़ देना एक अच्छा अभ्यास है। यह महत्वपूर्ण है कि छात्र–छात्रा सचमुच पढ़ने की इच्छा या ललक से प्रेरित हों। यहाँ ऐसी पांच मुख्य क्रियाओं के बारे में बताया गया है, जो आप कर सकते हैं:

1. अपने छात्र–छात्राओं को दिखाएं कि आप खुद भी एक पाठक हैं। इस बारे में बात करें कि आपको क्या पढ़ना पसंद है और उनके साथ कुछ उपयुक्त उदाहरणों को साझा करें।
2. अपनी कक्षा में पुस्तकों का एक कोना बनाकर पठन पर्यावरण तैयार करें।
3. कक्षा में थोड़ा समय ऐसा निकालें, जिसमें भाषा कौशल और परीक्षाओं के लिए नहीं, बल्कि केवल आनंद के लिए ऊँची आवाज़ में पढ़ा जाए।
4. अपने छात्र–छात्राओं से इस बारे में बात करें कि उन्हें क्या पढ़ना पसंद और नापसंद है।
5. अपनी कक्षा में थोड़ा समय शांति से स्वतंत्र पठन के लिए निकालें।

इन पाँच बिंदुओं की समीक्षा करें।

- आपके अनुसार आप इनमें से कौन-से काम पहले से ही कर रहे हैं?
- आपके अनुसार आप इनमें से कौन-से काम अपनी कक्षा में और ज्यादा कर सकते हैं?
- इन बिंदुओं को विकसित करने के लिए आपको कितना बदलाव करना पड़ेगा?

- संभव है कि आप पहले से ही ये गतिविधियाँ हिन्दी में पठन के लिए कर रहे हैं। आप अंग्रेज़ी में पठन के लिए ये गतिविधियाँ किस प्रकार कर सकते हैं?

यह तय करें कि अगले एक महीने में आप अपनी कक्षा में कौन-सी गतिविधि विकसित करने की कोशिश करेंगे। संभव हो, तो किसी अन्य शिक्षक/शिक्षिका से बात करें और अपनी कक्षा में यह परिवर्तन करने के लिए उनकी मदद लें। अपने अनुभव के बारे में अन्य शिक्षक/शिक्षिका से चर्चा करने से आपको स्वयं को प्रेरित रखने और कक्षा में सीखने के लिए आपके परिवर्तन के प्रभाव के बारे में सोचने में मदद मिलेगी। इस इकाई के पठन कार्य, केस स्टडी और गतिविधियाँ इस तरह तैयार की गई हैं, ताकि शुरुआत करने में आपको मदद मिले।

केस स्टडी 1 में, एक शिक्षक अपनी कक्षा में पठन को प्रोत्साहित करने के लिए कुछ परिवर्तन करने की कोशिश करते हैं।

केस स्टडी 1: श्री शंकर अपनी भूमिका के बारे में बताते हैं

श्री शंकर एक सरकारी विद्यालय में कक्षा पाँच के शिक्षक हैं।

मैं एक ऐसे विद्यालय में शिक्षक हूँ, जहाँ छात्र–छात्राओं के परिवारों में कोई औपचारिक शिक्षा प्राप्त नहीं है। मैं अंग्रेज़ी के बारे में आत्मविश्वासी नहीं हूँ, इसलिए मैं केवल पाठ्य–पुस्तक तक ही सीमित रहता था। दरअसल मुझे पढ़ने का बहुत शौक है, लेकिन मेरी अपनी भाषा में। मैं अखबार और पत्रिकाएँ, व कभी-कभार कुछ कविताएँ पढ़ना पसंद करता हूँ। लेकिन मैं पढ़ने के आनंद के बारे में अपने छात्र–छात्राओं को नहीं समझा पा रहा था। मेरे छात्र–छात्रा पठन को केवल परीक्षाओं से ही जोड़कर देखते थे – अंग्रेज़ी में और हिन्दी में भी।

भास्कर मेरा एक छात्र है। वह एक बहुत अच्छा फुटबॉल खिलाड़ी है और वायचुंग भुटिया का बड़ा प्रशंसक है, लेकिन उसका पठन कौशल बहुत सीमित है। पठन के घंटी के दौरान वह पढ़ने के अलावा सब-कुछ करता था।

मैंने इस बारे में बहुत सोचा। मैं ऐसा क्या दे सकता हूँ, जिससे उसके मन में पढ़ने की इच्छा जागे? मैं कुछ फुटबॉल पत्रिकाएँ और अखबारों के खेल पृष्ठ ले आया। मैंने उन्हें आलमारी में खोलकर रख दिया। इन्हें देखते ही भास्कर इतना रोमांचित हो गया कि वह तुरंत एक पत्रिका उठाकर पढ़ने लगा। कुछ दिनों बाद मैंने देखा कि वह कुछ अन्य छात्र–छात्राओं के साथ अखबार पढ़ रहा था और मौसम की जानकारी देख रहा था। जब मैंने उल्लेख किया कि वे लोग पत्रिकाओं में और अखबारों में कुछ अंग्रेज़ी शब्दों को ढूँढ सकते हैं, तो उन्होंने इन शब्दों की खोज शुरू कर दी।

एक शिक्षक के रूप में, मैं उस गंभीर भूमिका को पूरी तरह नहीं समझता था, जो मैं स्वैच्छिक पठन के प्रति अपने छात्र–छात्राओं के दृष्टिकोण को प्रभावित करने में निभा सकता था। अब मैं अपने छात्र–छात्राओं को यह दिखाने की कोशिश करता हूँ कि मैं खुद भी एक पाठक हूँ। मैं अक्सर उन्हें यह बताता हूँ कि मैं घर में इन दिनों क्या पढ़ रहा हूँ। कभी-कभी यह अखबार या पत्रिका की कोई खबर होती है, या कुछ ऐसा भी होता है, जो मैंने किसी विज्ञापन या बोर्ड पर पढ़ा हो। अब मैं छात्र–छात्राओं के साथ पठन के बारे में और उन्हें क्या पढ़ना पसंद है, इस बारे में गपशप के साथ शुरुआत करता हूँ।

ज़रा सोचिए

- क्या आपको लगता है कि कक्षा में पठन सामग्री के रूप में खेल पत्रिकाएँ और अखबार देना उचित है? क्यों या क्यों नहीं?
- स्वयं आपको अंग्रेज़ी में या किसी भी भाषा में क्या पढ़ना पसंद है? कविताएँ, उपन्यास, जीवनियाँ, अखबार, जानकारी देने वाली पुस्तकें – या कुछ और?
- आपके अनुसार आपके छात्र–छात्राओं को, अंग्रेज़ी में या किसी भी भाषा में, क्या पढ़ने में मज़ा आता

है?

- आपको या आपके छात्र–छात्राओं को जो भी पढ़ना पसंद है, क्या उनमें से कोई भी पुस्तकें आपकी कक्षा में हैं? क्यों या क्यों नहीं?

2 पुस्तकों के लिए एक हिस्सा बनाना

केस स्टडी 2 में, एक शिक्षिका ने कक्षा में पढ़ने के माहौल को सुधारने के लिए कुछ कदम उठाए हैं।

केस स्टडी 2: श्रीमती शाँति ने पुस्तकों के लिए एक हिस्सा बनाया है

श्रीमती शाँति सहशिक्षा वाले एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय में कक्षा पाँच की शिक्षिका हैं।

मेरी कक्षा के अधिकाँश छात्र–छात्राओं के घरों में कोई किताबें नहीं हैं। हालांकि मेरे छात्र–छात्राओं को लाइब्रेरी की घंटी के दौरान सप्ताह में एक बार विद्यालय की लाइब्रेरी से किताबें लेने का मौका मिलता था, लेकिन पढ़ने में उनकी ज्यादा रुचि नहीं थी।

मैंने अपनी कक्षा के कमरे पर ध्यान दिया। इसमें मेरे छात्र–छात्राओं के पढ़ने के लिए बहुत ही कम किताबें थीं। इसके अलावा, चूंकि ये थोड़ी-सी किताबें एक आलमारी में रखी हुई थीं, इसलिए अक्सर उन पर किसी की नज़र नहीं पड़ती थी। मैंने कुछ बदलाव करके देखना तय किया।

सबसे पहले मैंने कक्षा में किताबों की संख्या बढ़ाई। मैंने अपने सहकर्मियों से पूछा कि क्या उनके पास कोई अतिरिक्त किताबें हैं। मैंने शिक्षण अधिगम सामग्रियाँ खरीदने के लिए मिलने वाला अपना पूरा वार्षिक भत्ता किताबों पर खर्च करने का निर्णय लिया। मैंने राष्ट्रीय पुस्तक न्यास और बाल पुस्तक न्यास से बहुत-सी रोचक, सस्ती किताबें खरीदीं। अपने छात्र–छात्राओं की मदद से मैंने कॉपियों और पत्रिकाओं के चित्रों का उपयोग करके कुछ कहानी की किताबें भी बनाई।

पुस्तकें चुनते और बनाते समय, मैंने कोशिश की कि वे छात्र–छात्राओं को आकर्षित करने वाली हों। मैंने नए पाठकों के लिए चित्रों वाली पुस्तकें, पढ़ने-में-सरल पुस्तकें, किस्से और लोककथाएँ, जानकारीपरक पुस्तकें, चुटकुलों और पहेलियों की पुस्तकें, कविताओं की किताबें, कॉमिक्स (स्पाइडरमैन सहित), खेलों के बारे में किताबें और नई चीजें बनाने के बारे में बताने वाली किताबें शामिल कीं। मैंने विद्यालय की लाइब्रेरी/पुस्तकालय से भी बच्चों की पत्रिकाएँ लीं। मैं उपदेशात्मक, 'नैतिक' कहानियों से बचने की कोशिश की क्योंकि अनुभव से मैं ये जानती थी कि वे बच्चों को आकर्षित नहीं करतीं। हालांकि मैंने इस बात का ध्यान रखा कि कुछ ऐसी कहानियां भी चुनी जाएं, जिनसे कोई महत्वपूर्ण संदेश मिलता है। उदाहरण के लिए, बाल पुस्तक न्यास का एक प्रकाशन है, जिसमें बताया गया है कि एक आदिवासी बालक को अन्य छात्र–छात्राओं और शिक्षक/शिक्षिका की संवेदनहीनता के कारण विद्यालय के शरुआती दिनों में किस तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है, और एक अन्य पुस्तक है, जिसमें एक छात्र/छात्रा को इसलिए डराया-धमकाया जाता है क्योंकि उसे हकलाने की समस्या है।

मेरा अगला काम अपनी कक्षा के एक कोने में एक 'छोटी लाइब्रेरी' तैयार करना था, जिसमें कुछ खाने और पढ़ने का एक हिस्सा हो। मैंने छात्र–छात्राओं से सलाह मांगी कि इसे कहाँ बनाया जाए। शुरू में उन्हें लगा कि वह कमरा उस लिहाज से बहुत छोटा था, लेकिन हमने जब पूरा फर्नीचर फिर से लगाया तो हम यह देखकर चकित रह गए कि सब-कुछ इसमें समा गया।

मैंने हमारी लाइब्रेरी के कोने में एक चटाई बिछाई क्योंकि ज्यादातर छात्र–छात्राओं को ज़मीन पर बैठकर पढ़ना ज्यादा आरामदायक लगता था। पठन को प्रोत्साहित करने के लिए मैंने पुस्तक विक्रेताओं से कुछ मुफ्त पोस्टर भी हासिल किए। एक कुर्सी भी रखी गई थी, जिस पर बैठकर मैं या कोई अन्य छात्र कक्षा के सभी छात्र–छात्राओं को कुछ पढ़कर सुनाते थे (चित्र 1)।

चित्र 1: श्रीमती शांति की कक्षा की लाइब्रेरी।

छात्र–छात्रा इस कोने को ख़ास जगह कहने लगे। किताबों के इस कोने ने उन्हें यह संदेश दिया कि पुस्तकें इतनी मूल्यवान हैं कि उनके लिए कक्षा में कुछ जगह अलग से बनाई जानी चाहिए। छात्र–छात्राओं ने उस कोने में बैठने के लिए और ज्यादा समय देने की मांग की और पुस्तकें पढ़ते समय खाने की अनुमति देने का अनुरोध किया।

ज़रा सोचिए

- श्रीमती शांति की कक्षा की लाइब्रेरी के लिए पठन सामग्रियों के स्त्रोत क्या थे?
- क्या आपके पास इनमें से कोई स्त्रोत उपलब्ध हैं?
- क्या आपको लगता है कि पढ़ते समय छात्र–छात्राओं को खाने की अनुमति देना सही है? क्यों या क्यों नहीं?

गतिविधि 2: अपनी कक्षा को देखें – एक नियोजन गतिविधि

अपनी कक्षा को देखें और इस बारे में सोचें कि किसी कोने में कक्षा की एक छोटी-सी लाइब्रेरी बनाने के लिए आप किस तरह स्थान और फर्नीचर को व्यवस्थित कर सकते हैं, जैसा कि चित्र 2 में दर्शाया गया है। इनकी एक सूची बनाएँ:

- जो पुस्तकें आपको स्थानीय लाइब्रेरी से मिल सकती हैं
- जो पुस्तकें आप तैयार कर सकते हैं
- जो पत्रिकाएँ और अखबार आप अन्य शिक्षकों, मित्रों और परिवारजनों से प्राप्त कर सकते हैं
- पुस्तकों के बारे में पोस्टर
- कोई भी अन्य पठन सामग्री

चित्र 2: कक्षा में पुस्तकों वाले हिस्से का एक उदाहरण।

अन्य शिक्षकों से इस बारे में बात करें कि किस तरह आप लोग साथ मिलकर पठन के लिए साझा संसाधन बना सकते हैं।

रुचियों और क्षमताओं की एक श्रेणी के लिए संसाधनों के विकास के बारे में अधिक जानकारी के लिए संसाधन 1, 'सभी को शामिल करना' देखें।

3 छात्र–छात्राओं का पठन

अब निम्नलिखित गतिविधियों को आज़माकर देखें।

गतिविधि 3: पठन के बारे में अपने छात्र–छात्राओं से बात करें

पहले गतिविधि 2 पूरी करें और उन पुस्तकों या अन्य पठन सामग्रियों की सूची बनाएँ, जिन्हें एकत्रित करके आप कक्षा की एक 'मिनी-लाइब्रेरी' शुरू कर सकते हैं।

इस पाठ में, अपने छात्र–छात्राओं को बताएँ कि आप कक्षा में पुस्तकों का एक हिस्सा बनाना चाहते हैं। बोर्ड पर निम्नलिखित प्रश्न लिखें:

- आपने कौन-सी पुस्तकें पढ़ी हैं?
- आपको इनमें से कौन-सी अच्छी लगीं, और क्यों?
- आप किस तरह की पुस्तकें पढ़ना चाहेंगे?
- क्या ऐसी अन्य बातें भी हैं, जो आप पढ़ना चाहेंगे, शायद किसी कंप्यूटर पर?

छात्र–छात्राओं को जोड़ियों में बाँटें और उनसे कहें कि वे आपके द्वारा बोर्ड पर लिखे गए प्रश्न एक-दूसरे से पूछें। इसके लिए उन्हें कुछ मिनटों का समय दें और इसके बाद कक्षा को पुनः एक साथ लाएँ। इन प्रश्नों के बारे में उनके उत्तर जानें और उनके विचारों को बोर्ड पर लिखें।

पाठ के बाद, उनके विचारों को इकट्ठा करें। उनके विचारों और आपकी सूची के बीच तुलना करें। क्या उनके विचार आपके विचारों से मेल खाते हैं? आप किस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं?

इस तरह की जानकारी कैसे आपकी मदद कर सकती है, ताकि आप पाठक के रूप में प्रत्येक छात्र की आवश्यकता के अनुसार उसकी सहायता कर सकें?

अगले कुछ सप्ताहों के दौरान, पठन सामग्रियों का अपना छोटा-सा चयन एकत्रित करें।

क्या आप लाइब्रेरी के लिए कोई नियम बनाएँगे? क्या आप लाइब्रेरी के बारे में अभिभावकों को बताएँगे? आप उनसे किस प्रकार मदद माँग सकते हैं? शायद आप छात्र–छात्राओं से अपने इस पुस्तकों वाले हिस्से के उदघाटन के लिए एक छोटा-सा आयोजन करने की योजना बनाने को कह सकते हैं।

आप इस पठन कोने को कई तरह से उपयोग कर सकते हैं। अलग अलग तरह की पठन सामग्रियों को चुनकर आप छात्र–छात्राओं की विविधतापूर्ण पसंद और आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, हो सकता है कि किसी मेधावी छात्र को ऐसे चुनौतीपूर्ण पाठ को पढ़ना रोचक लगे, जो उसके लिए शायद उपलब्ध न हो। इसी तरह, छात्र–छात्राओं को यदि उनके पठन स्तर के अनुरूप पाठ्य-सामग्री प्राप्त होगी, तो इससे उन छात्र–छात्राओं का आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिन्हें पढ़ने में कठिनाई महसूस होती है। सहकर्मियों और बड़ी आयु वाले छात्र–छात्राओं के साथ मिलकर आप उनके पठन के लिए अनुपूरक वर्कशीट भी तैयार कर सकते हैं।

एक पठन कोना कक्षा के प्रबंधन में भी आपकी मदद करेगा। यदि आपकी कक्षा ज़्यादा छात्र–छात्राओं वाली है या आप एक से ज्यादा ग्रेड वाली कक्षा को पढ़ाते हैं, तो एक समूह को कोने में स्वतंत्र पठन का कार्य दिया जा सकता है, जबकि आप दूसरे समूह के साथ काम कर सकते हैं और बाद में इनकी अदलाबदली की जा सकती है। बेशक यदि छात्र–छात्राओं को इसकी आदत नहीं है, तो उन्हें अनुशासित पद्धति में स्वतंत्र रूप से कार्य करने में थोड़ा समय लगेगा। लेकिन निर्धारित नियमों और आरंभिक मार्गदर्शन के द्वारा उन्हें ऐसा करना सिखाया जा सकता है।

वीडियो: सभी को शामिल करना

अगली गतिविधि ऊंची आवाज़ में पढ़ने से संबंधित है।

आप यह जानते होंगे कि छात्र–छात्राओं को अपने शिक्षक की नकल करना बहुत अच्छा लगता है। आप जो करते और बोलते हैं, वे भी वही करेंगे और बोलेंगे। जब आप ऊँची आवाज़ में पढ़ते हैं, तो आप पठन के आनंद का एक मॉडल होते हैं। ऊँची आवाज़ में पढ़ने और छात्र–छात्राओं से भी ऊँची आवाज़ में पढ़वाने से आपको और आपके छात्र–छात्राओं को अपना अंग्रेज़ी उच्चारण सुधारने में मदद मिलेगी।

गतिविधि 4: अभिव्यक्ति के साथ ऊँची आवाज़ में पढ़ना

अंग्रेज़ी की कोई लघुकथा या कविता चुनें, जिससे आप अच्छी तरह परिचित हैं और आपको लगता है कि वह छात्र–छात्राओं को भी पसंद आएगी। यह पाठ्य–पुस्तक से ही होना आवश्यक नहीं है। वह कहानी या कविता ऊँची आवाज़ में कक्षा को सुनाएँ।

अब एक छात्र को बुलाएँ और उसे शेष कक्षा को कहानी सुनाने को कहें (चित्र 3)। छात्र को पुस्तक पकड़ने दें और शिक्षक की तरह अभिनय करने दें। हो सकता है कि छात्र ने पाठ्य-सामग्री का कुछ भाग या पूरी सामग्री याद कर ली हो, इसमें कोई हर्ज नहीं है – छात्र को आपकी अभिव्यक्ति और उत्साह की नकल करने दें। अन्य छात्र–छात्राओं के साथ बैठें और उन्हें दिखाएँ कि एक अच्छा श्रोता कैसा होना चाहिए। यदि पठन में कोई सामूहिक भाग भी है, तो इसमें छात्र–छात्राओं के साथ शामिल हों।

चित्र 3: एक छात्र अन्य छात्र–छात्राओं और शिक्षक को एक कहानी पढ़कर सुनाता है।

ऊँची आवाज़ में पढ़ने की इस गतिविधि के साथ आपको कोई भाषा अभ्यास नहीं जोड़ना चाहिए। केवल पढ़ने के आनंद और खुशी पर ध्यान दें।

जब आप छात्र–छात्राओं को कक्षा में ऊँची आवाज़ में पढ़ने देते हैं, और आप श्रोताओं के बीच बैठते हैं, तो आप पठन कौशल और व्यवहार का निरीक्षण कर सकते हैं। क्या छात्र–छात्रा पुस्तकों को ध्यानपूर्वक संभालते हैं? वे पढ़कर सुना रहे हैं या याद करके दोहरा रहे हैं, अथवा दोनों को मिलाकर कर रहे हैं? क्या अन्य छात्र–छात्रा पढ़ रहे हैं और जवाब दे रहे हैं?

4 छात्र–छात्राओं के शब्दों और चित्रों की पुस्तकें तैयार करना

अब निम्नलिखित गतिविधि आज़माकर देखें।

गतिविधि 5: छात्र–छात्राओं के शब्दों और चित्रों की पुस्तकें तैयार करना

यह गतिविधि कक्षा एक से चार के छात्र–छात्राओं के लिए उपयुक्त है, लेकिन आप बड़ी कक्षाओं के लिए इसे अनुकूलित कर सकते हैं।

छात्र–छात्राओं के स्वयं के शब्दों का उपयोग करके पुस्तकें तैयार करना। यदि आप ज़्यादा छात्र–छात्राओं वाली कक्षा को पढ़ाते हैं, तो आप कई दिनों या एक सप्ताह की अवधि लेकर एक बड़ी पुस्तक बना सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, आप प्रत्येक छात्र के लिए एक पुस्तक बना सकते हैं।

1. आपको पत्रिकाओं के चित्र काटने पड़ेंगे या छात्र–छात्राओं द्वारा बनाए गए चित्रों की और साथ ही गोंद, कागज़ और पेन की आवश्यकता पड़ेगी।
2. छात्र–छात्राओं को बताएँ कि वे अंग्रेज़ी में एक पुस्तक बनाने वाले हैं।
3. छात्र–छात्राओं से हिन्दी में या उनके घर की भाषा में उनके पसंदीदा शब्द के बारे में सोचने को कहें। वे अपना शब्द अपने दोस्त को बता सकते हैं। उनसे उस शब्द का चित्र बनाने या किसी पत्रिका से उसका चित्र काटकर एक कागज़ के टुकड़े पर चिपकाने को कहें।
4. उनके पसंदीदा शब्दों को बोर्ड पर हिन्दी और अंग्रेज़ी में लिखें। साथ मिलकर अंग्रेज़ी में वह शब्द बोलने का अभ्यास करें और ड्राइंग या चित्रों को देखें।
5. छात्र–छात्राओं से उस शब्द के चित्र के आगे अंग्रेज़ी में वह शब्द लिखने को कहें। जो छात्र अभी भी वर्ण बनाने में असमर्थ हैं, उनके लिए आप शब्द लिख दें।
6. छात्र–छात्राओं के कागज़ लें और 'We Can Read!' शीर्षक वाली एक पुस्तक तैयार करें। पुस्तक के प्रत्येक पृष्ठ पर एक अलग शब्द होना चाहिए, जिसके साथ उदाहरण या एक ड्राइंग या चिपकाया हुआ चित्र होना चाहिए। प्रत्येक पृष्ठ पर आप प्रत्येक छात्र के लिए अंग्रेज़ी में एक शीर्षक लिखते हैं, जिस पर लिखा होगा, उदाहरण के लिए:
    - Mehak can read 'ice cream'.
    - Susheela can read 'festival'.
    - Munir can read 'car'.
    - Deepti can read 'computer'.

पुस्तकें पढ़ें और साथ मिलकर अंग्रेज़ी का अभ्यास करें। अभिभावकों को कक्षा में आमंत्रित करें, ताकि छात्र–छात्रा अपने माता-पिता को वह पुस्तक पढ़कर सुना सकें। अपनी कक्षा की लाइब्रेरी बनाना और पठन पर्यावरण को आगे बढ़ाना ज़ारी रखें।

आप इस गतिविधि को इस तरह अनुकूलित कर सकते हैं:

- भोजन, परिवहन, वनस्पति, परिवार या शरीर के अंगों आदि जैसे अलग अलग विषयों पर 'I Can Read' पुस्तकों का एक संग्रहण बनाकर

अंग्रेज़ी में अलग अलग वाक्य संरचनाओं का अभ्यास करने के लिए लेखन को बदलकर; उदाहरण के लिए, पुस्तक का शीर्षक 'What Do You Like to Eat?' हो सकता है और पृष्ठों पर 'Munir likes to eat rice', 'Deepti likes to eat mango' आदि लिखा हो सकता है।

ज़रा सोचिए

- आप इस गतिविधि को बड़ी कक्षाओं के लिए उपयुक्त बनाने के लिए क्या करेंगे? क्या आप छात्र–छात्राओं को उनके विषय स्वयं चुनने देंगे? आप किस शब्दावली पर ध्यान केंद्रित करेंगे?
- आप कक्षा सात के छात्र से उसकी स्वयं की पुस्तक में या साझा बड़ी पुस्तक में कितनी अंग्रेज़ी लिखने की उम्मीद करेंगे?

5 सारांश

इस इकाई में इस बात पर ध्यान दिया गया है कि आप अपनी कक्षा में किस तरह एक सकारात्मक पठन पर्यावरण विकसित कर सकते हैं।

किसी भी भाषा में पठन स्वतंत्र सीखने वालों के निर्माण और उनकी शैक्षणिक उपलब्धि को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षा के सभी स्तरों पर पठन किसी भी छात्र की सफलता की बुनियाद है। अच्छी पठन आदतों का विकास करना किसी भी बच्चे के भविष्य के लिए अनिवार्य है – न केवल शैक्षणिक भविष्य के लिए, बल्कि दैनिक जीवन के लिए भी। अच्छी पठन आदतों वाले छात्र–छात्रा अपने आस-पास की दुनिया के बारे में ज्यादा सीखते हैं और उनमें भाषा के प्रति व अन्य संस्कृतियों के प्रति रुचि विकसित होती है। पठन के कारण प्रश्न पूछने और उत्तर जानने की जिज्ञासा जागती है, जिससे छात्र–छात्राओं के ज्ञान में लगातार वृद्धि होती है।

प्रारंभिक अंग्रेज़ी हेतु इस विषय पर अन्य शिक्षक विकास इकाईयाँ हैं:

- *अंग्रेज़ी के वर्ण और ध्वनियाँ*
- *कथावाचन*
- *साझा पठन*
- *सीखने की योजना बनाना*
- *पठन कौशल का विकास और अनुश्रवण*

संसाधन

संसाधन 1: सभी को शामिल करना

'सभी को शामिल करें' का क्या अर्थ है?

संस्कृति और समाज की विविधता कक्षा में प्रतिबिंबित होती है। छात्र–छात्राओं की भाषाएं, रुचियां और योग्यताएं अलग-अलग होती हैं। छात्र–छात्रा विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। हम इन विभिन्नताओं को अनदेखा नहीं कर सकते हैं; वास्तव में हमें उन्हें सकारात्मक रूप से देखना चाहिए क्योंकि हमारे लिए ये एक दूसरे के बारे में तथा हमारे अनुभव से परे के संसार को जानने और समझने के लिए माध्यम का काम कर सकते हैं। सभी छात्र–छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने एवं अपनी स्थिति, योग्यता और पृष्ठभूमि से इतर जाकर सीखने का अवसर हासिल करने का अधिकार है, और इस बात को भारतीय कानून में एवं अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकारों में मान्यता प्राप्त है। 2014 में राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में, प्रधानमंत्री मोदी ने

भारत के सभी नागरिकों के मूल्यों, मान्यताओं को महत्व दिए जाने पर बल दिया भले ही किसी नागरिक की जाति, लिंग या आय कुछ भी क्यों न हो। इस संबंध में विद्यालयों और शिक्षकों की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है।

हम सभी के पास उन दूसरे लोगों को लेकर पूर्वाग्रह और विचार होते हैं जिनसे हमारा परिचय या साक्षात्कार नहीं हुआ हो सकता है। एक शिक्षक के रूप में, आपके पास प्रत्येक छात्र के शैक्षिक अनुभव को सकारात्मक या नकारात्मक ढंग से प्रभावित करने की शक्ति होती है। चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में, आपके निहित पूर्वाग्रहों और विचारों का इस बात पर अवश्य प्रभाव होगा कि आपके छात्र–छात्रा कितनी बराबरी के साथ सीख रहे हैं। आप अपने छात्र–छात्राओं को असमान व्यवहार से सुरक्षित करने के लिए कदम उठा सकते हैं।

आपके द्वारा अधिगम में सभी को शामिल करना सुनिश्चित करने के लिए तीन प्रमुख सिद्धांत

- **ध्यान देना:** प्रभावी शिक्षक चौकस, अनुभवी एवं संवेदनशील होते हैं; वे अपने छात्र–छात्राओं में होने वाले बदलावों पर ध्यान देते हैं। यदि आप चौकस हैं तो आप उन बातों पर ध्यान देंगे जब एक छात्र कुछ अच्छा करता है, जब उसे सहायता की आवश्यकता होती है और जब वह दूसरों के साथ जुड़ता है। आप अपने छात्र–छात्राओं में होने वाले परिवर्तनों का भी अनुभव कर सकते हैं जो उनकी घरेलू परिस्थितियों या अन्य समस्याओं के चलते प्रतिबिंबित हो सकते हैं। सभी को शामिल करने के लिए दैनिक रूप से अपने छात्र–छात्राओं पर, खास तौर पर उपेक्षित या प्रतिभागिता करने में असमर्थ महसूस कर सकने वाले छात्र–छात्राओं पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।
- **आत्मसम्मान पर ध्यान केंद्रित करना:** अच्छे नागरिक वे होते हैं जो अपने स्वत्व को लेकर सहज होते हैं। उनमें आत्मसम्मान की भावना होती है, उन्हें अपनी शक्तियों और कमजोरियों का पता होता है और उनमें व्यक्तियों की पृष्ठभूमि के प्रति पूर्वाग्रह रखे बिना सकारात्मक संबंध स्थापित करने की योग्यता होती है। वे स्वयं का और दूसरों का सम्मान करते हैं। एक शिक्षक के रूप में, आपका युवा छात्र–छात्राओं के आत्मसम्मान पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकता है; अपनी इस शक्ति के बारे में जानें और प्रत्येक छात्र के अंदर आत्मसम्मान विकसित करने के लिए उसका प्रयोग करें।
- **लचीलापन:** यदि कोई विधि या गतिविधि आपकी कक्षा में किसी विशिष्ट छात्र–छात्रा, समूह या व्यक्ति के लिए काम नहीं कर रही है तो अपनी योजनाओं में बदलाव करने या गतिविधि को रोकने के लिए तैयार रहें। लचीली दृष्टि रखने से आप समायोजन करने में सक्षम होंगे जिससे आप अधिक प्रभावी ढंग से सभी छात्र–छात्राओं को सहभागी बना सकते हैं।

हर समय आपके द्वारा अपनाए जा सकने वाले दृष्टिकोण

- **अच्छा व्यवहार प्रस्तुत करना:** जातीयता, धर्म या लिंग का भेदभाव किए बिना अपने छात्र–छात्राओं के साथ अच्छे ढंग से व्यवहार कर उनके सामने आदर्श प्रस्तुत करें। सभी छात्र–छात्राओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें और अपने शिक्षण के माध्यम से यह बात स्पष्ट करें कि आप सभी छात्र–छात्राओं को एक समान महत्व देते हैं। उन सभी के साथ सम्मान से बात करें, उनके विचार उपयुक्त होने पर उसे महत्व दें और उन्हें सभी के लिए लाभप्रद कार्य लेने के द्वारा कक्षा के लिए जिम्मेदारी उठाने को प्रोत्साहित करें।
- **अधिक उम्मीदें:** योग्यता सीमित नहीं होती है; यदि छात्र–छात्राओं को उचित सहायता मिले तो वे सीख सकते हैं और प्रगति कर सकते हैं। यदि किसी छात्र को आपके द्वारा कक्षा में की जा रही गतिविधि समझने में मुश्किल हो रही है तो ऐसा न समझें कि वे अब कभी भी जान और समझ नहीं सकते। एक शिक्षक के रूप में आपकी भूमिका बेहतरीन ढंग से प्रत्येक छात्र को सीखने में मदद करने की होनी चाहिए। यदि आप अपनी कक्षा के प्रत्येक छात्र से अधिक उम्मीद करते हैं तो आपके छात्र–छात्राओं में यह प्रबल धारणा बन सकती है कि यदि वे डटे रहते हैं तो अधिक सीखेंगे। अधिक उम्मीदें व्यवहार में भी दिखनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि उम्मीदें स्पष्ट हैं और छात्र–छात्रा एक दूसरे से सम्मानजनक व्यवहार करते हैं।
- **अपने शिक्षण में विविधता लाएं:** छात्र–छात्रा अलग अलग तरीकों से सीखते हैं। कुछ छात्र–छात्राओं को लिखना पसंद होता है; तो कुछ अन्य को अपने विचार निरूपित करने के लिए माइंड मैप या चित्र बनाना अच्छा लगता है। कुछ छात्र–छात्रा अच्छे श्रोता होते हैं; कुछ अन्य तब सर्वश्रेष्ठ ढंग से सीखते हैं जब उन्हें अपने विचार के बारे में बात करने का अवसर प्राप्त होता है। आप हर समय सभी छात्र–छात्राओं के अनुरूप नहीं कर सकते हैं लेकिन आप अपने शिक्षण में

विविधता पैदा कर सकते हैं और छात्र–छात्राओं को उनके द्वारा किए जा सकने के लिए कुछ अधिगम गतिविधियों में से अपना विकल्प चुनने का अवसर दे सकते हैं।

- **रोजमर्रा की जिंदगी से अधिगम को जोड़ें:** कुछ छात्र–छात्राओं को वे बातें अपने रोजमर्रा की जिंदगी के लिए अप्रासंगिक लग सकती हैं जिन्हें आप उनसे सीखने के लिए कहते हैं। आप यह संबोधित कर सुनिश्चित कर सकते हैं कि जब भी संभव होगा आप उस अधिगम को उनके लिए प्रासंगिक संदर्भ से जोड़ कर दिखाएंगे और आप उनके खुद के अनुभव से उदाहरण द्वारा निरूपित करेंगे।
- **भाषा का उपयोग:** अपने द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा को लेकर सचेत रहें। सकारात्मक और प्रशंसात्मक भाषा का प्रयोग करें, छात्र–छात्राओं का उपहास न उड़ाएं। हमेशा उनके व्यवहार पर टिप्पणी करें, न कि स्वयं उन पर। 'तुम मुझे आज परेशान कर रहे हो' जैसे वाक्य बेहद व्यक्तिगत प्रकार के होते हैं, इसके बजाय आप इसे 'आज मुझे तुम्हारा व्यवहार कष्टप्रद लग रहा है। क्या कोई कारण है जिसके चलते ध्यान केंद्रित करने में तुम्हें मुश्किल हो रही है?' के रूप में बेहतर ढंग से व्यक्त कर सकते हैं।
- **रूढ़िवादिता को चुनौती दें:** उन संसाधनों का पता लगाएं और प्रयोग करें जो लड़कियों को गैर-रूढ़िवादी भूमिकाओं में प्रस्तुत करता है या वैज्ञानिक आदि अनुकरणीय महिलाओं को विद्यालय में आने के लिए निमंत्रित करें। लिंग को लेकर आप अपनी खुद की रूढ़िवादिता के प्रति सचेत रहें; आप जानते हैं कि लड़कियां खेलकूद के क्षेत्र में भी भाग लेती हैं वहीं लड़के देखभाल वाले कार्यों में भी पाए जाते हैं, लेकिन प्रायः हम इन्हें अलग ढंग से व्यक्त करते हैं, क्योंकि हम इसी तरीके से समाज में बात करने के अभ्यस्त होते हैं।
- **एक सुरक्षित, सुखद अधिगम वातावरण का निर्माण करें:** यह जरूरी है कि सभी छात्र–छात्रा विद्यालय में सुरक्षित और प्रसन्नचित्त महसूस करें। आप ऐसी स्थिति में होते हैं जिसमें आप अपने छात्र–छात्राओं को एक दूसरे के लिए परस्पर सम्मान और मित्रतापूर्ण व्यवहार के लिए प्रोत्साहित कर प्रसन्नचित्त महसूस करा सकें। इस बात पर विचार करें कि अलग अलग छात्र–छात्राओं के लिए विद्यालय और कक्षा को किस तरह विशिष्ट बनाया जा सकता है। इस बारे में सोचें कि उन्हें कहां बैठने के लिए कहा जाना चाहिए और सुनिश्चित करें कि दृश्य या श्रवण बाधा या शारीरिक अक्षमता वाला कोई भी छात्र अपना पाठ पढ़ने और सीखने के लिए कहां बैठ सकता है। इस बात की जांच करें कि शर्मीले स्वभाव या आसानी से विचलित होने वाले छात्र–छात्राओं को आप किस तरह आसानी से अपनी गतिविधियों में शामिल कर सकते हैं।

विशिष्ट शिक्षण दृष्टिकोण

ऐसे कई विशिष्ट दृष्टिकोण हैं जिनसे आपको सभी छात्र–छात्राओं को शामिल करने में मदद मिलेगी। इन्हें अन्य प्रमुख संसाधनों में और अधिक विस्तार से वर्णित किया गया है लेकिन यहां संक्षिप्त परिचय दिया जा रहा है:

- **प्रश्न पूछना:** यदि आप छात्र–छात्राओं को हाथ खड़े करने के लिए कहते हैं तो वही छात्र–छात्रा जवाब देने को प्रवृत्त होते हैं। ऐसे कई अन्य तरीके भी हैं जिनसे जवाबों के बारे में सोचने और प्रश्नों पर प्रतिसाद देने के लिए अधिक छात्र–छात्राओं को शामिल किया जा सकता है। आप विशिष्ट छात्र–छात्राओं से प्रश्न पूछ सकते हैं। कक्षा से कहें कि आप यह निर्णय लेंगे कि कौन उत्तर देगा, फिर आप सामने बैठे हुए छात्र–छात्राओं की अपेक्षा कक्षा में पीछे या किनारे में बैठे छात्र–छात्राओं से प्रश्न पूछें। छात्र–छात्राओं को 'सोचने के लिए समय' दें और विशिष्ट छात्र–छात्राओं से अपना योगदान देने के लिए कहें। विश्वास का निर्माण करने के लिए जोड़ी या समूहकार्य का प्रयोग करें ताकि आप संपूर्ण कक्षा चर्चा में हरेक को शामिल कर सकें।
- **आकलन:** रचनात्मक आकलन के लिए तकनीकों की श्रृंखला विकसित करें, इनसे आपको हरेक छात्र को बेहतर ढंग से जानने में मदद मिलेगी। छिपी प्रतिभाओं और खामियों को उजागर करने के लिए आपको रचनात्मक होने की जरूरत है। छात्र–छात्राओं एवं उनकी योग्यताओं के बारे में सामान्य विचारों के कारण कुछ धारणाएं बन जाती हैं जबकि रचनात्मक आकलन आपको सटीक जानकारी देगा। तब आप उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर जवाब देने के लिए बेहतर स्थिति में होंगे।

- **समूह कार्य एवं जोड़ी में कार्य:** सभी छात्र–छात्राओं को शामिल करने और उन्हें एक दूसरे को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर इस बात पर सावधानीपूर्वक विचार करें कि किस तरह आप अपनी कक्षा को समूह में विभाजित कर सकते है या उनमें जोड़े बना सकते हैं। सुनिश्चित करें कि सभी छात्र–छात्राओं को एक दूसरे से सीखने और अपनी सीखी बातों पर विश्वास का निर्माण करने के लिए अवसर प्राप्त हैं। कुछ छात्र–छात्राओं में एक छोटे समूह में अपने विचारों को व्यक्त करने और प्रश्न पूछने के लिए आत्मविश्वास होगा किंतु हो सकता है कि संपूर्ण कक्षा के सामने उन्हें अपने को खड़ा करने में झिझक हो।
- **विशिष्टीकरण:** अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग कार्य निर्दिष्ट करने से छात्र–छात्राओं को अपनी सीखी हुई जगह से शुरू करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। मुक्त कार्य निर्धारित करने से सभी छात्र–छात्राओं को सफल होने का अवसर प्राप्त होगा। छात्र–छात्राओं को विभिन्न कार्यों में विकल्प प्रदान करने से उन्हें उस कार्य के प्रति उत्तरदायित्व का अहसास करने और अपने अधिगम के लिए जवाबदेही लेने में मदद मिलेगी। व्यक्तिगत अधिगम आवश्यकताओं का ध्यान रखना कठिन होता है, खास तौर पर बड़ी कक्षा में लेकिन अलग अलग कार्यों और गतिविधियों का उपयोग कर इसे किया जा सकता है।

अतिरिक्त संसाधन

- Children's Book Trust India: http://www.childrensbooktrust.com/
- Karadi Tales: http://www.karaditales.com/
- National Book Trust India: http://www.nbtindia.gov.in/
- NCERT textbooks: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

संदर्भ/संदर्भग्रंथ सूची

Bromley, H. (2000) *Book-based Reading Games*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Bryant, P. and Nunes, T (eds) (2004) *Handbook of Children's Literacy*. Dordrecht: Kluwer Academic Publishers.

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Goswami U. (2010a) 'Phonology, reading and reading difficulties', in Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read*. London: Routledge.

Goswami U. (2010b) 'A psycholinguistic grain size view of reading acquisition across languages', in Brunswick, N., McDougall, S. and Mornay-Davies, P. (eds) *The Role of Orthographies in Reading and Spelling*. Hove: Psychology Press.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.

Hall, K., Goswami, U., Harrison, C., Ellis, S. and Soler, J. (eds) (2010) *Interdisciplinary Perspectives on Learning to Read: Culture, Cognition and Pedagogy*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभार:

चित्र सुमन भाटिया के सौजन्य से। (Images are courtesy of Suman Bhatia.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।